07 October 2024

ग्लेशियर पिघलने के कारण सीमाओं का पुनर्निर्धारण

संदर्भः इटली और स्विट्ज़रलैंड, आल्प्स के मैटरहॉर्न पीक के निकट ग्लेशियरों के पिघलने के कारण अपनी राष्ट्रीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण कर रहे हैं।

- **कारणः** यह परिवर्तन मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के परिणामस्वरूप हो रहा है, जिसके कारण प्राकृतिक स्थलचिह्न और सीमाएँ बदल रही हैं।
- **सीमाओं पर प्रभावः** पिघलते ग्लेशियरों ने सीमाओं की परिभाषा में महत्वपूर्ण बदलाव किया है, जिसके फलस्वरूप दोनों देशों के बीच नई सीमाओं पर सहमति बनी है।

ग्लेशियर के आयतन में कमीः

- स्विट्ज़रलैंड ने 2022 में रिकॉर्ड 6% की कमी के बाद, पिछले वर्ष अपने ग्लेशियर वॉल्यूम का 4% खो दिया है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार, यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो 2100 तक दुनिया के आधे ग्लेशियर गायब हो सकते हैं।

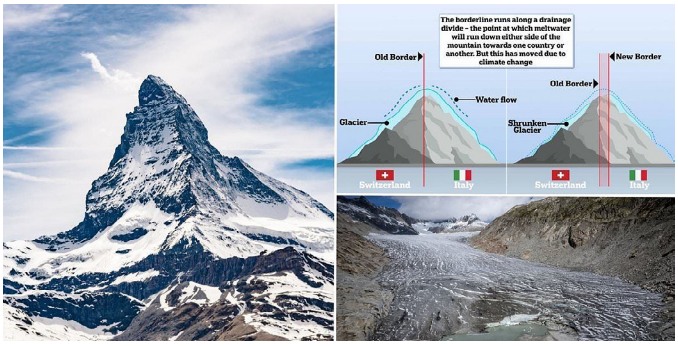

आयोग का गठनः

- 2023 में ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और राष्ट्रीय सीमाओं पर होने वाले परिणामी प्रभावों का अध्ययन करने के लिए एक आयोग की स्थापना की गई थी।
- आयोग ने मई 2023 में सीमा संशोधनों की सिफारिश की।

समझौते की स्थितिः

- स्विटजरलैंड ने 27 सितंबर, 2024 को नई सीमा के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- इटली द्वारा जल्द ही इसकी आधिकारिक स्वीकृति दिए जाने की उम्मीद है।

सीमाओं से परे परिणामः

- ग्लेशियरों के पिघलने के परिणाम केवल सीमाओं के परिवर्तन तक ही सीमित नहीं हैं, इसके साथ ही भूस्खलनों की आवृत्ति में वृद्धि और अस्थिर भूभाग की घटनाएँ भी बढ़ रही हैं।
- हीटवेव के दौरान पानी की कमी के बारे में भी चिंता जताई गई है।

व्यापक जलवायु प्रभावः

- यूरोप सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है, जहां जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिम ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, पारिस्थितिकी तंत्र और सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं।
- यूरोपीय पर्यावरण एजेंसी ने हीटवेव, सूखा, जंगल की आग और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं के बढ़ने की चेतावनी दी है।

समझौते का महत्वः

- सीमा को फिर से निर्धारित करने का यह समझौता राष्ट्रीय सीमाओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को स्पष्ट करता है। यद्यपि ये बदलाव पहली नजर में छोटे प्रतीत होते हैं, परंतु वे जलवायु परिवर्तन के गहन और दूरगामी परिणामों को दर्शाते हैं।

देश संबंधी जानकारीः

इटली

- **स्थितिः** दक्षिणी यूरोप, भूमध्य सागर की सीमा पर
- **राजधानीः** रोम
- **जनसंख्याः** 60.4 मिलियन
- **भाषाः** इतालवी
- **मुद्राः** यूरो

स्विट्जरलैंड

- **स्थितिः** पश्चिमी-मध्य यूरोप, आल्प्स की सीमा पर
- **राजधानीः** बर्न
- **जनसंख्याः** 8.5 मिलियन
- **भाषाएँः** जर्मन, फ्रेंच, इतालवी, रोमांश
- **मुद्राः** स्विस फ्रैंक (CHF)

दोनों देश द्वारा साझी सीमाः

- **लंबाईः** लगभग 759 किमी (472 मील)
- **सीमा क्षेत्रः** लोम्बार्डी, पीडमोंट और एओस्टा घाटी (इटली); टिसिनो, ग्रिसन और वैलेस (स्विट्जरलैंड)
- **पर्वतीय दर्रेः** सिम्पलॉन दर्रा, सेंट गोथर्ड दर्रा और ग्रेट सेंट बर्नार्ड दर्रा

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन (एनएमईओ-तिलहन)

संदर्भः हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन (एनएमईओ-तिलहन) को मंजूरी दे दी है।

- राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन (एनएमईओ-तिलहन) एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य तिलहन उत्पादन को बढ़ाना और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। 10,103 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ मिशन को 2024-25 से 2030-31 तक सात वर्षों में लागू किया जाएगा।

उद्देश्य और कार्यान्वयन:

- एनएमईओ-तिलहन का उद्देश्य रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी और तिल जैसी प्रमुख तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देना है, जिससे प्राथमिक तिलहन उत्पादन 39 मिलियन टन (2022-23) से बढ़कर 2030-31 तक 69.7 मिलियन टन हो जाएगा।
- इस पहल के अंतर्गत, राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-(ऑयल पाम) के साथ मिलकर मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक घरेलू खाद्य तेल उत्पादन को 25.45 मिलियन टन करना है, जो भारत की अनुमानित घरेलू आवश्यकता का लगभग 72% पूरा करेगा।

मुख्य रणनीतियाँ:

अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, मिशन निम्नलिखित कार्य करेगा:

- उच्च उपज देने वाली बीज किस्मों को अपनाने को बढ़ावा देना और चावल की बंजर भूमि में खेती का विस्तार करना।
- 'बीज प्रमाणीकरण, पता लगाने की योग्यता और समग्र सूची (साथी)' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन 5-वर्षीय रोलिंग बीज योजना की स्थापना करना।
- बीज उत्पादन के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए 65 नए बीज केंद्र और 50 बीज भंडारण इकाइयाँ विकसित करना।
- 347 जिलों में 600 से अधिक मूल्य श्रृंखला क्लस्टर बनाना, किसानों की गुणवत्तापूर्ण बीजों तक पहुँच, अच्छी कृषि पद्धतियों (जीएपी) में प्रशिक्षण और कीट प्रबंधन सलाहकार सेवाएँ प्रदान करना।

किसानों का समर्थन करना और आयात पर निर्भरता कम करना:

- इस पहल का उद्देश्य तिलहन की खेती को 4 मिलियन हेक्टेयर तक बढ़ाना है, विशेष रूप इसके लिए चावल और आलू की बंजर भूमि को लक्षित करना।
- किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और सहकारी समितियों को फसल कटाई के बाद की इकाइयां स्थापित करने या उन्नत करने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे विभिन्न तेल स्रोतों से रिकवरी दर में सुधार होगा।
- मिशन खाद्य तेलों के लिए अनुशंसित आहार संबंधी दिशा-निर्देशों को बढ़ावा देने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान लागू करेगा।

पृष्ठभूमि:

- भारत, वर्तमान में अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का 57% आयात करता है, जिसने सरकार को आत्मनिर्भरता के लिए कई उपाय लागू करने के लिए प्रेरित किया गया है।
- इनमें 2021 में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) की शुरुआत और तिलहन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि शामिल है।
- इन उपायों का उद्देश्य स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना, 20% आयात शुल्क के माध्यम से घरेलू किसानों को सस्ते आयात से बचाना और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को सुनिश्चित करना है।
- एनएमईओ-तिलहन भारत के कृषि परिदृश्य को सुधारने, विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम करने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही यह पर्यावरणीय स्थिरता को भी बढ़ावा देता है।

भारत-जमैका संबंध

संदर्भ: हाल ही में जमैका के प्रधानमंत्री डॉ. एंड्रयू होल्नेस ने 30 सितंबर से 3 अक्टूबर, 2024 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे।

यात्रा के प्रमुख निष्कर्ष:

- भारत ने नई दिल्ली में जमैका उच्चायोग के सामने की सड़क का नाम

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

'जमैका मार्ग' रखा, जो दोनों देशों की गहरी होती मित्रता का प्रतीक है।

- डॉ. होल्नेस की यात्रा की मुख्य उपलब्धियों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए कई समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर शामिल थे।

महत्वपूर्ण समझौते (MoUs):

- **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर समझौता:** दोनों देशों ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने हेतु डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पहलों को साझा करने पर सहमति व्यक्त की।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर समझौता:** 2024-2029 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान का समझौता किया गया, जो दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करेगा।
- **खेल सहयोग पर समझौता:** खेल के क्षेत्र में, विशेषकर क्रिकेट में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक समझौता किया गया।
- **यूपीआई प्रणाली पर समझौता:** भारत की एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और जमैका की ईगव के बीच यूपीआई प्रणाली के एकीकरण की संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक समझौता किया गया।

भारत–जमैका संबंधों का संक्षिप्त विवरण:

- दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध 12 अगस्त 1962 को स्थापित हुए थे और 1975 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की यात्रा के बाद 1976 में किंग्स्टन में भारत का स्थायी मिशन खोला गया।
- **व्यापार:** भारत, जमैका का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। 2020-21 में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 82.40 मिलियन डॉलर था।
- **शिक्षा:** भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) के माध्यम से भारत, जमैकन छात्रों को शैक्षणिक अवसर प्रदान करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
- **स्वास्थ्य सेवा:** भारत ने जमैका के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्षमता निर्माण और मेडिकल टूरिज्म के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध:

- भारत और जमैका के सांस्कृतिक संबंध उनके उपनिवेशी इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों की साझा प्रतिबद्धता से जुड़े है। क्रिकेट के प्रति दोनों देशों की गहरी रुचि भी उनके संबंधों में एक विशेष तत्व जोड़ती है, जिससे आपसी सौहार्द और मैत्री का माहौल बनता है।

प्रवासी समुदाय:

- जमैका में लगभग 70,000 भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो दोनों देशों मध्य व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत करते हैं और आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

पॉवर पैक्ड न्यूज

समुद्री अभ्यास मालाबार 2024

- समुद्री अभ्यास मालाबार 2024, 8 से 18 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत करेगा और इसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका की भागीदारी होगी।
- यह अभ्यास विशाखापत्तनम में हार्बर फेज से शुरू होकर समुद्र फेज में प्रवेश करेगा, जिसका उद्देश्य नौसेना के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा समुद्री चुनौतियों का समाधान करना है। मूल रूप से 1992 में भारत और अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय अभ्यास के रूप में शुरू हुआ मालाबार, अब एक महत्वपूर्ण बहुपक्षीय आयोजन बन गया है।
- भारतीय नौसेना निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, पनडुब्बी और विमान तैनात करेगी,

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ध्येयIAS®
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

07 October 2024

जबकि ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान अपने-अपने पोत जैसे HMAS Stuart, USS Dewey और JS Ariake तथा उनके नौसेना के विमान भेजेंगे। चारों देशों की विशेष बलों की भी भागीदारी होगी।

- मालाबार 2024 का मुख्य फोकस पनडुब्बी-रोधी युद्ध, वायु रक्षा और सतह युद्ध पर होगा, जिसमें विशेषज्ञों के आदान-प्रदान और समुद्री क्षेत्र जागरूकता गतिविधियाँ शामिल होंगी। यह अभ्यास अब तक का सबसे व्यापक संस्करण होने की उम्मीद है।

10वां अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव (IISF) IIT गुवाहाटी में होगा आयोजित

- 10वां अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव (IISF) गुवाहाटी में आयोजित होगा। पूर्वोत्तर भारत अपनी पहली अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव (IISF) की मेजबानी करेगा, जो 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2024 तक IIT गुवाहाटी में आयोजित होगा।

- IISF का यह 10वां संस्करण, इस क्षेत्र को वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पूर्वोत्तर को भारत की विकास यात्रा में एक प्रमुख भूमिका में लाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- उत्सव की थीम 'भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित वैश्विक विनिर्माण हब में परिवर्तित करना' है, जो 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी राष्ट्रीय पहलों का समर्थन करती है। यह उत्सव कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और बायोटेक्नोलॉजी जैसी उभरती तकनीकों पर प्रकाश डालेगा, जो औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर भारत को विनिर्माण में आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाने का लक्ष्य रखती हैं।
- IISF-2024 वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, छात्रों और जनता के लिए विज्ञान-आधारित आर्थिक प्रगति पर चर्चा करने का मंच प्रदान करेगा।

दूरसंचार विभाग ने धोखाधड़ी वाली अंतर्राष्ट्रीय कॉलों को रोकने के लिए प्रणाली का किया अनावरण

- दूरसंचार विभाग (DoT) ने टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं (TSPs) के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी वाले कॉलों की पहचान और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एक प्रणाली शुरू की है।
- यह प्रणाली दो चरणों में लागू की जा रही है: पहले चरण में TSPs अपने ग्राहकों के नंबर से आने वाली फर्जी कॉलों को ब्लॉक करेंगे, और दूसरे चरण में अन्य TSPs के नंबर से आने वाली फर्जी कॉलों को केंद्रीय स्तर पर रोका जाएगा।
- अब तक लगभग 45 लाख फर्जी कॉल पकड़ी जा चुकी हैं।
- DoT ने लोगों से 'संचार साथी' प्लेटफॉर्म पर चक्षु सुविधा के जरिए संदिग्ध कॉल या संदेशों की रिपोर्ट करने का आग्रह किया है, ताकि साइबर धोखाधड़ी से बचाव हो सके और दूरसंचार सेवाओं की सुरक्षा बढ़ाई जा सके।

WHO ने आपातकालीन उपयोग सूची (EUL) के तहत पहले Mpox डायग्नोस्टिक टेस्ट को मंजूरी दी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपने आपातकालीन उपयोग सूची (EUL) के तहत Mpox (जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था) के लिए पहले डायग्नोस्टिक टेस्ट को मंजूरी दे दी है। 'एलिनिटी एम एमपीएक्सवी एसे' (Alinity m MPXV assay) नामक इस टेस्ट को एबॉट मॉलिक्यूलर इंक द्वारा विकसित किया गया था और यह Mpox प्रकोप का सामना कर रहे देशों में परीक्षण क्षमताओं को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- एमपॉक्स एक वायरल बीमारी है जो फ्लू जैसे लक्षणों, त्वचा पर चकत्ते और फफोले का कारण बनती है, अफ्रीका में विशेष रूप से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी), बुरुंडी और नाइजीरिया में इसका महत्वपूर्ण प्रकोप दर्ज किया गया है।
- 2024 में अफ्रीका में 30,000 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं, लेकिन परीक्षण सीमित कर दिया गया है, केवल 37% मामलों का परीक्षण

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

डीआरसी में किया गया है।

- 'एलिनिटी एम एमपीएक्सवी एसे', एक वास्तविक समय पीसीआर परीक्षण है जो त्वचा के घावों के नमूनों से मंकीपॉक्स वायरस (क्लैड्स I/II) का पता लगाता है, जिससे तेज और अधिक सटीक निदान मिलता है।
- डब्ल्यूएचओ की ईयूएल प्रक्रिया वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान महत्वपूर्ण स्वास्थ्य उत्पादों की उपलब्धता को बढ़ाती है, जिसमें अधिक परीक्षण अनुप्रयोगों की समीक्षा की जाती है। इस स्वीकृति से शीघ्र पहचान, उपचार और प्रकोप प्रबंधन में सुधार होने की उम्मीद है।

ध्येयIAS® most trusted since 2003
DHYEYA IAS® most trusted since 2003

नया बैच प्रारंभ

UPPCS
GENERAL STUDIES
14th OCT 2024
HINDI & ENGLISH MEDIUM | TIME: 9:00 AM | 6:00 PM

UPSC (IAS)
GENERAL STUDIES
16th OCT 2024
ENGLISH MEDIUM
TIME: 8:30 AM | 6:00 PM

Admission Open
MODE : OFFLINE & ONLINE
BOOK YOUR SLOT

A 12 Sector J Aliganj, Lucknow 9506256789
OTHER CENTER : CP1, Jeevan Plaza, Gomti Nagar, Lucknow 7234000501